(c) These are voluntary cultural organisations and as per rules for payment of grant-in-aid of the Delhi Administration to these institutions the grant-in-aid can be released to the extent of not exceeding 50% of the amount of deficit assessed by the department on the basis of latest audited statement of accounts and the budget estimates furnished by the institutions/ organisations. As there is budget provision of Rs. 2.50 lakhs for payment of grant-in-aid to Voluntary Cultural and Educational Organisations, the quantum of grant-in-aid is assessed, keeping in view the availability of funds with the Delhi Administration.

(d) The grant-in-aid for 1970-80 was reduced from Rs. 18,000/- to Rs.13,370/- in respect of Gandharva Mahavidyalaya due to paucity of funds. However, the grant-in-aid of Rs. 20,000/- was released during 1980-81 keeping in view the institution's deficit of Rs. 1,32,443/-.

(e) This is due to paucity of funds.

कटनी और चोपन के बीच फास्ट रेल गाड़ी

1740. **श्री मोती लाल सिंह** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार कटनी से चोपन तक कोई फास्ट रेलगाड़ी चलाने हेतु कोई कार्यवाही कर रही है ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : धीमी रेलपथ गति, प्रत्याशित भारी कोयला यातायात तथा संसाधनों की कमी के कारण कटनी से चोपान तक कोई तेज गाड़ी चलाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है ।

मुरैना-अम्बा सड़क पर पुल

1741. **श्री बाबू लाल सोलंकी** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मुरैना जिले में (मध्य प्रदेश) मुरेना-अम्बा सड़क पर रेल पुल की मंजूरी दे दी गई है ; और

(ख) यदि हां, तो इस पुल का निर्माण कार्य कब तक शुरु हो जाने की संभावना है और इस में कितना परिव्यय होगा ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी हां ।

(ख) निर्माण कार्य राज्य सरकार के अनुमानों पर स्वीकृति-प्राप्त होने पर शुरु कर दिया जायेगा, जिसकी कई अनुस्मारकों के भेजने के बावजूद अभी प्रतीक्षा है । निर्माण कार्य की कुल अनुमानित लागत 1.20 करोड़ रुपये है जो आधी राज्य सरकार और आधी रेलवे द्वारा वहन की जायेगी ।

Retrenchment of Casual Workers under Chief Engineer (Construction), Northern Railway

1742. SHRI KRISHNA PRAKASH TIWARI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that thousands of casual workers working continuously at various places since last two and a halt years on regular pay-scales with temporary status under the Chief Engineer (Construction), Northern Railway are being retrenched with effect from 14th